B.Ed. IInd year

Subject :- Knowledge, language & Curriculum

Topic :- लेखन कौशल की जैकटाट पद्धति (V.Short(8))

V. Imp

जैकटाट पद्धति

इस पद्धति मे छात्र-छात्रा स्वयं सुधार करते है। इस विधि मे बालको के सामने पूरा वाक्य रखा जाता है। वे अनुकरण करके एक-2 शब्द को लिखते है और उसे मूल से मिलाकर अपनी गलती मे सुधार कर लेते है। शिक्षक अनुकरण के बाद पूरा वाक्य लिखवाता है।

इस पद्धति मे निम्नलिखित बातो पर ध्यान दिया जाता है।

⇒ बालको को लिखने का अभ्यास करवाया जाऐ।

⇒ बालको की व्यक्तिगत विभिन्नताओ पर ध्यान दिया जाऐ।

⇒ लिखने की गति धीरे-2 बढाने पर बल दिया जाऐ।

⇒ प्रारम्भ मे बालक को लिखने के लिए अधिक समय देना चाहिए।

⇒ लिखने मे उचित ढंग से बैठने और कलम पकडने के तरीके पर ध्यान देना चाहिए।

⇒ बालक जब लिखने की आवश्यकता समझे तभी उसको लिखना सीखना चाहिए।

⇒ बालक जिस शब्द को लिखने की आवश्यकता समझता है तथा लिखना चाहता है, उसे पूर्ण रूप मे लिखवाना चाहिए।

P.T.O.

⇒ शब्दो को कठिनाई के क्रम मे लिखना सिखाना चाहिए।

⇒ वाक्य, शब्द तथा अक्षर के स्वरूप पहचानने की सुविधा बालको को पूर्ण रूप से मिलनी चाहिए।

⇒ बडे-2 अक्षरो से लिखना शुरू करवाकर धीरे-2 अक्षरो की माप छोटी करायी जाए।

⇒ बालको की सभी प्रवृत्तियो पर ध्यान देना चाहिए और बालको की रूचियो को ध्यान मे रखकर ही उनको लिखवाना चाहिए।

⇒ लिखने के साधनो का प्रयोग निम्नलिखित क्रम मे हो —

(i) बालू पर किसी छोटी सी लकड़ी अथवा अंगुली के प्रयोग से।

(ii) चॉक से चॉकबोर्ड पर।

(iii) रंगीन पेंसिल से स्लेट पर।

(iv) रंगीन तथा मुलायम पेंसिल से कॉपी पर लिखने का अभ्यास करना चाहिए।

(v) सरकण्डे की कलम से कॉपी पर लिखने का अभ्यास अन्त मे करना चाहिए।

Scanned with CamScanner